आजीविका वर्धन व्यवसाय योजना

बुनाई व हथकरघा

सरस्वती गुरुद्रोण स्वंय सहायता समूह

वी. एफ. डी. एस. शटलधार

एस.एच.जी. नाम	सरस्वती गुरु द्रोण स्वंय सहायता समूह
वी.एफ.डी.एस.नाम	शटलधार
एफ.टी.यू./ रेंज	अरसू(निर्मंड)
डी.एम.यू. /मंडल	आनी
एफ.सी.सी.यू. / सर्किल	रामपुर

हिमाचल प्रदेश वन परितंत्र प्रबंधन एवं आजीविका सुधारपरियोजना

(जा.ई.का. वित्तपोषित)परियोजना

क0सं0	विवरण	पृष्ठ संख्या
1	कार्यकारिणी सारांश	1-2
2	परिचय	3
3	स्वयं सहायता समूह की सूची	4
4	समूह का विवरण	5
5	ग्राम की भौगोलिक स्थिति	6-7
6	आय सृजन गतिविधि से सम्बंधित उत्पाद का विवरण	8
7	उत्पादन हेतु नियोजन	8-9
8	बिक्री का विवरण	8-9
9	समूह के मध्यप्रबंधन का विवरण	10
10	शक्ति, दुर्बलता अवसर जोखिम का विशलेषण	10
11	संभावित जोखिम व उनको कम करने के उपाय	11
12	उद्यम हेतु अनुमानित लागत	12-14
13	उद्यम लागत - लाभ विश्लेषण	14
14	समूह की वित्तीय आवश्यकता	14
15	सम विच्छेदन बिंदु (ब्रेक इविन प्वाइंट) की गणना	14
16	समूह का सहमती पत्र	15
17	समान रूचि समूह के प्रत्येक सदस्य के फोटोग्राफ	16

1.परिचय

.

हिमाचल प्रदेश छोटी घाटियों, छोटी पहाड़ियों से लेकर शक्तिशाली पर्वत श्रृंखलाओं से युक्त है। जिनकी ऊँचाई 3000 मीटर से लेकर 6800मीटर तक है विविध आवासों की उपलब्धता के कारण यह जैव विविधता समृद्ध संस्कृति और धार्मिक विरासतों और सुन्दर भूदृश्य शेष समृद्ध है| राज्य का क्षेत्रफल 55,673 वर्ग किलोमीटर है और 75,00,000 की आबादी है राज्य की लगभग 90% आबादी ग्रामीण क्षेत्रों में रहती है कृषि अनुपालन बागवानी जलविद्युत और पर्यटन राज्यों की अर्थव्यवस्था के महत्वपूर्ण क्षेत्र है| राज्य में 12 जिले है और कुल जनसंख्या का 6.67% कुल्लू जिले में रहता है। यह जिला लाहौल स्पीति, किन्नौर, शिमला तथा मंडी जिले के साथ अपनी सिमाएं जोड़ता है। व्यास, पार्वती और सतलुज इस जिले की मुख्य नदियां हैं।

कुल्लू हिमाचल प्रदेश में बसा एक खूबसूरत जिला तथा पर्यटक स्थल है। बरसों से इसकी खूबसूरती और हरीयाली पर्यटकों को अपनी ओर खींचती आई है व्यास नदी के किनारे बसा यह स्थान अपने यहां मनाए जाने वाले रंग-बिरंगे दशहरा के लिए प्रसिद्ध है यहां शत्रु शताब्दी में निर्मित रघुनाथ जी का मंदिर भी है जो हिंदुओं का प्रमुख तीर्थ स्थान है।

आनी निर्वाचन क्षेत्र हिमाचल प्रदेश के 68 निर्वाचन क्षेत्रों में से एक है कुल्लू जिले में स्थित यह निर्वाचन क्षेत्र अनुसूचित जाति के लिए आरक्षित है 2012 में इस क्षेत्र में कुल 72276 मतदाता थे। हमारे यहां वन मंडल आने के तहत तीन परिक्षेत्र आते हैं। जिनमें से दो परिक्षेत्र में JICA परितोषित परियोजना द्वारा कार्य किया जा रहा है। अरसू वन परिक्षेत्र का कार्यालय निरमंड गांव के समीप स्थित है इस परिक्षेत्र के तहत 5 ग्रामीण वन विकास समितियां बनाई गई है।

- वन विकास समिति शटलधार
- वन विकास समिति रल्लू
- वन विकास समिति बडगई
- वन विकास समिति टिकरी खरगा
- वन विकास समिति सरगा

जिस्म अलग-अलग तरह से स्वयं सहायता समूह भी बनाए गए हैं यहां का मुख्य व्यवसाय कृषि और बागवानी है।

हिमाचल प्रदेश वन पारिस्थितिकी तंत्र प्रबंधन और आजीविका सुधार परियोजना जाईका (JICA) प्रारंभ होने पर ग्राम वन विकास समिति शटलधार की सूक्षम योजना बनाई गयी है | परियोजना के माध्यम से शटलधार में स्वयं सहायता समूहों का गठन, "**सरस्वती गुरु द्रोण स्वंय सहायता समूह** के रूप में किया गया।

इसके बाद "**सरस्वती गुरु द्रोण स्वंय सहायता समूह** " ने बुनाई व हथकरघा का कार्य करने का निर्णय लिया। समूह के सदस्य समाज के एक अनुसूचित जन जाति से ताल्लुक रखते हैं । अपनी आर्थिक स्थितियों को बढ़ाने के लिए,उन्होंने हथकरघे का काम करने का फैसला किया

है | "**<u>सरस्वती गुरु द्रोण स्वयं सहायता समूह</u>**" समूह मे केवल महिलाएं शामिल है । इस समूह में 10 सदस्य शामिल है |

<u>स्वयं सहायता समूह की सूची</u>

क्र.	लाभार्थी का नाम	पद	आयु	लिंग	श्रेणी	सम्पर्क
1	कौशल्या	प्रधान	33	स्त्री	अनुसूचित जाति	8628868699
2	कुल्विन्द्रा	सचिव	27	स्त्री	अनुसूचित जाति	9459011710
3	प्रेमलता	कोषाध्यक्ष	27	स्त्री	अनुसूचित जाति	8988262492
4	बिन्ता	सदस्य	27	स्त्री	अनुसूचित जाति	9459571527
5	रेखा	सदस्य	27	स्त्री	अनुसूचित जाति	7807652567
6	पुष्पा देवी	सदस्य	27	स्त्री	अनुसूचित जाति	7807061067
7	रीना	सदस्य	37	स्त्री	अनुसूचित जाति	8580668208
8	सरोजा	सदस्य	25	स्त्री	अनुसूचित जाति	7876716420
9	ईशु देवी	सदस्य	28	स्त्री	अनुसूचित जाति	8091027125
10	रेशमा	सदस्य	30	स्त्री	अनुसूचित जाति	7807316338

3.स्वयं सहायता समूह विवरण

1	समूह का नाम	**सरस्वती गुरु द्रोण स्वंय सहायता समूह**
2	ग्राम वन विकास समिति	शटलधार
3	वन परिक्षेत्र / क्षेत्रीय तकनीकी इकाई	अरसू
4	वनमंडल/ मंडलीय प्रबंधन इकाई	आनी
5	गांव	शटलधार
6	विकासखंड	आनी
7	जिला	कुल्लू
8	समान सूची समूह में कुल सदस्यों की संख्या	10
9	समूह के गठन की तिथि	
10	बैंक खाता संख्या	
11	बैंक का नाम और शाखा जहां समूह का खाता संचालित है	
12	स्वयं सहायता समूह की मासिक बचत	
13	कुल बचत	
14	सदस्यों को आपस में दिया गया ऋण	0
15	नगदी जमा करने की सीमा	
16	चुकौती की स्थिति	6 महीने

4.ग्राम की भौगोलिक स्थिति

1	जिला मुख्यालय से दूरी	20 किलोमीटर (लगभग)
2	स्थानीय बाजार का नाम और दूरी	रामपुर,आनी,निर्मंड , 15 किलोमीटर लगभग
3	प्रमुख बाजार का नाम और दूरी	रामपुर ,25 किलोमीटर
4	प्रमुख शहरों से दूरी	कुल्लू 110 किलोमीटर, रामपुर 25 किलोमीटर
5	मुख्य शहरों के नाम जहां उत्पाद का विक्रय/ विपणन किया जाएगा	रामपुर, शिमला

(1) व्यवसाय योजना की आवश्यता क्यों ?

ग्राम वन विकास समिति शटलधार में महिलायों का समूह गठित किया | जिसमे समूह की सभी महिलाएं हथकरघे का कार्य करके अपनी आजीविका को बढाना चाहती है| इसीलिए महिलायों ने समूह के माध्यम से JICA परियोजना से बुनाई की मशीनों और हथकरघा की खड्डी प्रदान करने तथा उचित प्रशिक्षण की मांग की है |

(2) व्यवसाय योजना के उदेश्य :

समूह की सभी सदस्यों की क्षमता का निर्माण करना |
समूह के लिए निरंतर आय के साधन उपलब्ध कराना |
उत्पाद को उचित बाज़ार से जोड़ना |
सभी सदस्यों को समूह में काम करने के लिए प्रेरित करना |
बुनाई व हथकरघा व्यवस्या की नवीनतम एवं आधुनिक तकनीकों को बढावा देना |
आजीविका की बढोतरी |

(3)व्यवसाय योजना में निम्न कार्य शामिल हैं:

हथकरघा – गलीचे, टोपी, शाल बनाने का कार्य शमिल है |

(4) सामुदायिक गतिशीलता :

इसके अंतर्गत ग्रामीणों में जागरूकता एवं सामुदायिक गतिशीलन के उपरान्त आजीविका वर्धन के विकल्प का चयन तथा उसके लिए लाभार्थीयों की छंटनी की गयी है |

(5)समूह का निर्माण

स्वयं सहायता समूह के सदस्यों को एकत्रित कर समूह का गठन किया गया है तथा समूह का अध्यक्ष ,सचिव व् कोषाध्यक्ष का सर्वसहमति से चुनाव किया गया है | समूह की सदस्यों की सहमती से समूह के लिए नियम एवं शर्ते निर्धारित करके उन्हें लागू करने का प्रावधान किया गया है|

(6)क्षमता का निर्माण:

लाभार्थियों की क्षमता निर्माण हेतु उनका उचित प्रशिक्षण करवाया जाना आवश्यक है|

(7) मशीन व खड्डी इत्यादि का वितरण:

समूह के सभी सदस्यों को अच्छी किस्म की मशीने और खड्डी उपलब्ध करवाई जाए ताकि अच्छे ढंग से कार्य कर सके|

(8)बाज़ार से जोड़ना :

अपने उत्पाद को बेचने के लिए समूह किसी सरकारी व् निजि सोसाइटी से उचित शर्तों के साथ संबध स्थापित करने लिए तैयार है| विक्रय के लिए लोकल बाजारों के दुकानदारों से जोड़ कर ,मेलों में प्रदर्शनी लगाकर और नेचर अवेयरनेस पार्क में दुकान लगाकर आय कमाने हेतु जोड़ा जाएगा | अधिक उत्पादन होने पर रामपुर बाज़ार के क्षेत्र में दुकानदारों से जुड़ कर कार्य करेगी|

(9) वितीय संस्थानों एवं संबधित विभागों से जोड़ना :

व्यवसाय को आगे बढाने के लिए समूह को वितीय संस्थानों से जोड़ने का पर्यास किया जाएगा तथा उन्हें विभिन्न बैंकों द्वारा दी जा रही ऋण सुविधाओं से अवगत करवाया जाएगा तथा परियोजना द्वारा बैंकों से जोड़ा जाएगा|

(10) बाज़ार की जानकारी :

रामपुर, आनी बाज़ार के क्षेत्र में दुकानदारों के साथ जुड़ कर कार्य करेगी|

(11)अपेक्षित सहायता एवं संसाधन :

वित्तीय प्रबंधन का 75 % परियोजना द्वारा सहायता दी जाएगी | शेष ,25 % सदस्यों द्वारा वहन किया जाएगा|

(12) अनुमानित लाभ:

महिलायों के लिए घरेलू रोज़गार उपलब्ध होगा |समूह के सभी सदस्यों के लिए आजीविका वर्धन का दीर्घ कालीन एवं निरंतर साधन उपलब्ध होगा |

समूह की महिलाएं इस कार्य को खाली एवं अतिरिक्त समय में कर सकती है |

5. आय सृजन गतिविधि से संबंधित उत्पाद का वितरण

1	उत्पाद का नाम	गलीचे ,टोपी,शाल बनाने का कार्य
2	उत्पाद की पहचान की पद्धति	कुछ सदस्य बुनाई का कार्य पहले से ही करते हैं |
3	स्वयं सहायता समूह/समान सूची समूह/ सदस्यों की सामूहिक सहमति	हां |

6.उत्पादन की प्रक्रियाओं का विवरण

सर्वप्रथम स्वयं सहायता समूह के सदस्यों को परियोजना द्वारा गलीचे,टोपी,शाल आदि का प्रशिक्षण दिया जाएगा। प्रशिक्षण के उपरांत समूह के सदस्य द्वारा उत्पाद तैयार करने में निमन प्रक्रिया की जाएगी:-

गलीचे ,टोपी, शाल तैयार करने की मशीनें लगवाऐंगे। इससे समय और उत्पादों की मजदूरी दर का खर्चा कम होगा।

समूह में 6 सदस्य गलीचे का कार्य करेंगे।
समूह में 4 सदस्य शाल बनाने का कार्य करेंगे।
समूह में सभी सदस्य विपणन करेंगे और कच्चा माल भी लाएंगे।

समूह के सदस्य प्रतिदिन 2 से 4 घंटा काम करेंगे।

7.उत्पादन हेतु नियोजन

प्रति माह कार्य दिवस	:	30 दिवस
प्रति माह काम करने वाले व्यक्ति	:	10 व्यक्ति
कच्चे माल का स्रोत	:	रामपुर,कुल्लू
अन्य संसाधनों का स्रोत	:	रामपुर,कुल्लू

1	उत्पादन चक्र (दिनों में) 30 दिन प्रतिदिन **3-4 घंटे** कार्य करेगें	9 गलीचे
2	**प्रति चक्र कार्यकताओं की आवष्यकता (संख्या)**	06 सदस्य गलीचे की बुनाई के लिए 04 सदस्य शाल की बुनाई के लिए **कुल 10 सदस्य**
3	**कच्चे माल का स्त्रोत**	रामपुर, कुल्लू
4	**अन्य संसाधनों का स्त्रोत**	रामपुर

नोट: स्वयं सहायता समूह के प्रशिक्षण का खर्च परियोजना द्वारा वहन किया जाता है|

8.बिक्री का विवरण

1	संभावित बाज़ार स्थल	रामपुर,निर्मंड ।
2	इकाई से दूरी	निर्मंड 15 किलोमीटर , रामपुर 35 किलोमीटर
3	बाजार में उत्पाद की मांग	गलीचे ,शाल,टोपी
4	बाजार की पहचान की प्रक्रिया	रामपुर
5	उत्पाद के संभावित खरीदार	संभावित बाजार खरीदार, दुकानें, स्थानीय निवासी तथा पर्यटक
6	क्षेत्र में संभावित उपभोक्ता	सभी स्थानीय नागरिक एवं पर्यटक
7	उत्पाद का विपणन तंत्र।	सीधा सम्पर्क दुकानदारों से गलीचे और गाँव की महिलाओ और पुरषों की टोपी, शाल इत्यादि की बुनाई|
8	उत्पाद की विपणन रणनीति।	1. गलीचे व टोपी, शाल इत्यादि की बुनाई मांग के अनुसार घटाएंगे या बढायेंगे| 2. समूह कार्य की निपुणता के आधार पर सदस्यों का चयन करेगा|

9. समूह सदस्यों के मध्यप्रबंधन का विवरण-

प्रबंधन के लिए नियम बनाए जाएंगे|
समूह के सदस्य आपसी सहमति से कार्यों का बंटवारा करेंगे|
बंटवाराकार्य की कुशलता एवं क्षमता के आधार पर किया जाएगा
लाभ का बंटवारा भी कार्य की गुणवत्ता, कुशलता तथा मेहनत के आधार पर किया जाएगा|
प्रधान व सचिव प्रबंधन का मूल्यांकन एवं अवलोकन समय-समय पर करते रहेंगे|

10.शक्ति ,दुर्बलता अवसर जोखिम का विश्लेष्ण-

शक्ति

महिलाओं में कार्य करने की लगन है।
पहले से ही कुछ सदस्य बुनाई का काम करते हैं।
समूह में अनुभवी सदस्य भी है।

दुर्बलता

महिलाएं कृषि व पशुपालन के कार्य भी करती है।
कार्य के लिए 2 से 4 घंटे का समय ही निकाल पाना।
समूह में कर रहे हो पहली बार कर रहे हैं।

अवसर

हिमाचल प्रदेश वन परितंत्र प्रबंधन परियोजना से सहयोग व निधि मिलेगी।
प्रशिक्षण से कुशलता व क्षमता में बढ़ोतरी होगी।
उत्पादकों की लोकल व शहरों में मांग है।
रामपुर,सराहन,बागा सराहन, पर्यटक स्थल है।

चुनौती

बाजार की स्थिति (डिमांड) को ना समझना।
अच्छे उत्पाद तैयार ना करना।
अन्य उत्पाद केंद्रों से प्रतिस्पर्धा।
उपभोक्ताओं से तालमेल की कमी।
अन्य (कृषि बागवानी व पशुपालन) कार्यों में व्यवस्था।

11. संभावित चुनौतियों तथा उनको कम करने के उपायों का विवरण

क्र0	जोखिमों/चुनौतियों का विवरण	जोखिम कम करने के उपाय
1.	बाजार की स्थिति(डिमांड) को ना समझना।	समय-समय पर बाजार की मांग के अनुसार चलना।
2.	अच्छे उत्पाद तैयार ना करना।	उपभोक्ताओं के मनपसंद उत्पाद तैयार करना।
3.	अन्य उत्पाद केंद्रों से प्रतिस्पर्धा।	अन्य उत्पाद केंद्रों से बेहतर उत्पाद बनाना व शुरू में कम लाभ कमाना।
4.	उपभोक्ताओं से तालमेल की कमी।	उपभोक्ताओं से हमेशा संपर्क में रहना।
5.	कृषि, बागवानी व पशुपालन कार्य में ज्यादा व्यवस्था।	कृषि, बागवानी व पशुपालन और घर के अन्य कार्य में साथ साथ बुनाई में ध्यान देना।
6.	समूह में बंटवारा	समूह मैं बंटवारा कुशलता व क्षमता के आधार पर करना। पारदर्शिता से कार्य करना।
7.	उत्पाद की गुणवत्ता घटने से बिक्री कम हो सकती है।	गुणवत्ता बनाए रखने के लिए समूह को उच्च मापदंड रखने होंगे।

12. उद्यम हेतु अनुमानित लागत

1) पूंजीगत व्यय

क्र.	गतिविधि	मात्रा	मुल्य	कुल व्यय	परियोजना अंश 75%	लाभार्थी अंश 25%
1	शाल खड्डी	**4**	**8500**	**34000**	25500	8500
2	गलीचे की खड्डी	**4**	**20000**	**80000**	60000	20000
3	अन्य व्यय			**10000**	7500	2500
	योग	8		**124000**	**93000**	**31000**

नोट-उपरोक्त टेबल में जो पूंजीगत व्यय दर्शाया गया है वो अनुमानित तौर पर दर्शाया गया है, तथा इस पूंजीगत व्यय को डिमांड करने के दौरान इससे निश्चित राशी की मांग की जाएगी |

2) आवर्ती व्यय

क्र. स.	विवरण	इकाई	मात्रा	दर	धन राशि
गलीचे					
1	कच्चा माल धागा	किलोग्राम	70	350	24500
2	सुतर धागा	किलोग्राम	20	190	3800
3	मजदूरी	दिन	20	200	4000
4	अन्य खर्चा पैकजिग, स्टीकर, बिजली, पानी औसत परिवहन व कमरा किराया खर्चा इत्यादि			L/S	1000
	कुल				**33300/-**
शाल					
1	कच्चा माल धागा	किलोग्राम	40	700	28000
2	कच्चा माल बॉर्डर	किलोग्राम	10	400	4000
3	मजदूरी	दिन	20	200	4000
4	अन्य खर्चा पैकजिग, स्टीकर, बिजली, पानी औसत परिवहन व कमरा किराया खर्चा इत्यादि			L/S	900
	कुल				**36900/-**

5	अन्य खर्चा पैकजिग, स्टीकर, बिजली, पानी औसत परिवहन व कमरा किराया खर्चा इत्यादि			L/S	650
	योग				**70850/-**

(3) उत्पादन की लागत

क0स0	विवरण	धनराषि (रू0)
1	कुल आवर्ती लागत	70850/-
2	पूंजीगत व्यय पर 10% वार्षिक मूल्य ह्रास	1033/-
	योग	**69617/-**

(4) विक्रय मूल्य की गणना

dz0l0	विवरण	इकाई	मात्रा	दर	धन राशि
1	**उत्पादन की लागत**				
	गलीचे	नंबर	8	3000	24000
	शाल	नंबर	10	500	5000
	कुल लागत		18 नग		29000/-
2	**उत्पादन की अनुमानित विक्रय**				
	गलीचे		8	7000	56000
	शाल	नंबर	10	850	8500
	योग		18 नग		**64500/-**

3	**निर्धारित लाभ (प्रतिशत में)**				
	गलीचे	100%	8	4000	32000
	शाल	85%	10	350	3500

13. उद्यम लागत - लाभ विश्लेषण (एक चक्र के लिए) -

मद	धनराषि (रू)
पूंजीगत व्यय पर 10% वार्षिक मूल्य ह्रास (अ)	1033/-
आवर्ती व्यय	70850/-
योग	**78883/-**
कुल उत्पादन (नं० 18 में)	प्रतिमाह / 18 न0
उत्पादन की विक्री मूल्य प्रतिमाह	**64500/-**
उत्पादन की बुनाई से आय (18नं०)	**35500/-**
कुल लाभ = बिक्री मूल्य – (पूंजीगत मूल्य ह्रास + आवर्ती मूल्य) = 64500 - (1033 + 70850)	7383/-
उत्पाद की बुनाई से सकल लाभ = कुल लाभ +मजदूरी +कमरा किराया = 7383 + 16000+ 1000	24383/-

14. धन की आवश्यकता

क्रमांक	विवरण	राशि (रुपये में)
1	परियोजना द्वारा पूंजीगत व्यय का 75% अनुदान	93000
2.	लाभार्थी अंश (25% पूंजीगत व्यय)	31000
	योग	**124000/-**

15. सम विच्छेदन बिन्दू (ब्रेक इविन प्वाइन्ट) की गणना

ब्रेक इवन पॉइंट= पूंजीगत व्यय / विक्रय मूल्य – आवर्ती व्यय

= 124000/ 29000 - 70850

=124000/41850

= 02.96 माह = 35.55 x 30 = **1066** दिन **(**लगभग **1066**दिन**)**

अत : लगभग **1066** दिनो में सम **विच्छेदन बिन्दू** प्राप्त किया जाएगा।

<u>सरस्वती गुरु द्रोण स्वंय सहायता समूह के सदस्यों का फोटोग्राफ-</u>

सहमती पत्र

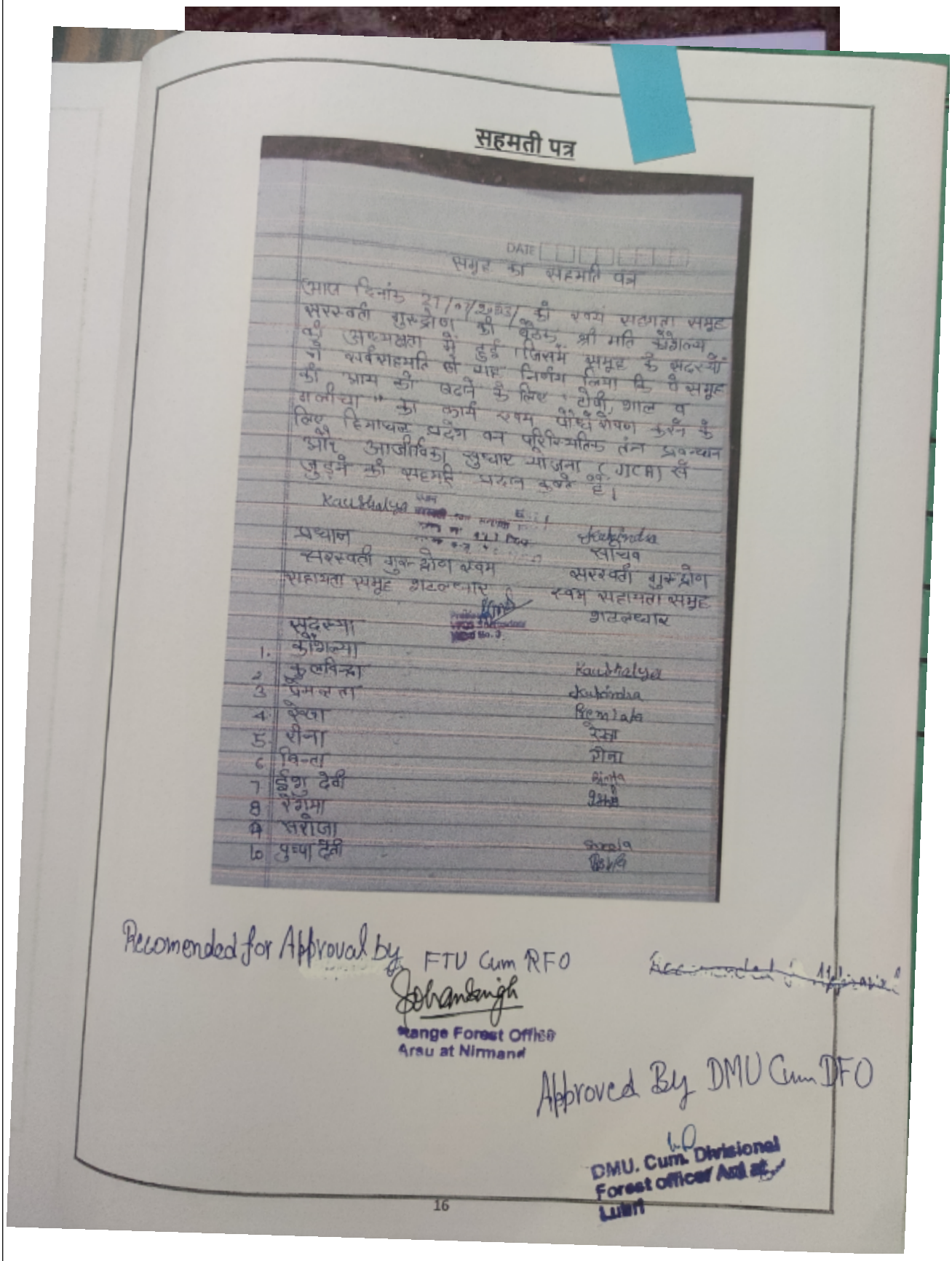

सहमती पत्र

DATE

समूह का सहमति पत्र

आज दिनांक 21/07/2023 को स्वयं सहायता समूह सरस्वती गुरुद्रोण की बैठक श्री मति कौशल्या की अध्यक्षता में हुई। जिसमें समूह के सदस्यों ने सर्वसहमति से यह निर्णय लिया कि पै समूह की आय को बढ़ने के लिए "टोपी, शाल व गलीचा" को कार्य स्वयं पौधे रोपण करने के लिए हिमाचल प्रदेश वन पारिस्थितिक तंत्र प्रबन्धन और आजीविका सुधार योजना (JICA) से जुड़ने की सहमति प्रदान करते हैं।

Kaushalya
प्रधान
सरस्वती गुरु द्रोण स्वयं सहायता समूह शटलन्धार

Kulwinder
सचिव
सरस्वती गुरुद्रोण स्वयं सहायता समूह शटलन्धार

सदस्या

1.	कौशल्या	Kaushalya
2	कुलविन्द्रा	Kulwindra
3	प्रेमलता	Premlata
4	रेखा	रेखा
5	रीना	रीना
6	विन्ता	Binta
7	ईशु देवी	Ishu
8	रंगमा	
9	सरोजा	Saroja
10	पुष्पा देवी	Pushpa

16

Recomended for Approval by FTU Cum RFO

Range Forest Office
Arsu at Nirmand

Approved By DMU Cum DFO

DMU. Cum. Divisional Forest officer Ani at Luhri